National Express - 12 Aug 2026

नेशनल एक्सप्रेस
हर खबर समय पर
वर्ष 11 अंक 304
पृष्ठ: 12
नई दिल्ली, बुधवार
12 अगस्त 2026
मूल्य: 4 रुपये
nationalexpressindia | nationalexpressindia | www.nationalexpress.co.in
DELHIN/2015/65411
पंजीयन सं. -DL(S)-17/3531/2018-20

03 अजीत डोभाल से अमेरिकी राजदूत ने की बातचीत, कहा: वैश्विक सुरक्षा... | 06 सियासत में मुद्दों से ज्यादा आसान क्यों है चरित्र पर हमला? | 11

धान की फसल में पोषक तत्वों का पर्णीय छिड़काव पर हुआ दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण

नेशनल एक्सप्रेस के के साहू

कानपुर नगर, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा ग्राम प्रतापपुर ऊदैत में धान की फसल में पोषक तत्वों का पर्णीय छिड़काव पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि धान की फसल में पोषक तत्वों का पर्णीय छिड़का जड़ों के माध्यम से खाद देने का एक असरदार विकल्प है। इससे पौधे जल्दी पोषक तत्व लेते हैं। इससे पैदावार बढ़ती है और दाने चमकते हैं। कम खाद में ही बहुत अच्छा असर मिलता है।पौधे मजबूत बनते हैं और बीमारियाँ कम लगती हैं।बालियों में दाने स्वस्थ और वजनी बनते हैं।प्रमुख पोषक तत्व 2 प्रतिशत घोल (20 ग्राम यूरिया प्रति लीटर पानी) कल्ले फूटते समय या बालियां निकलते समय छिड़कें।0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट और साथ में आधा चूना मिलाकर छिड़काव करें।एनपीके (19:19:19): 1 से 2 किलोग्राम प्रति एकड़ 100 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।बोरॉन: 0.2 प्रतिशत घोल का प्रयोग फूल आने से पहले करने से फूलों का झड़ना रुकता है।हमेशा सुबह या शाम के ठंडे समय में छिड़काव करें।तेज धूप या बारिश के समय छिड़काव न करें।घोल की सही मात्रा ही रखें, ज्यादा मात्रा से पत्तियां जल सकती हैं। धान में कल्ले निकलते समय या दाना भरते समय स्प्रे सबसे अच्छा रहता है। इस अवसर पर प्रसार वैज्ञानिक डॉक्टर राजेश राय ने भी किसानों को संबोधित किया।

किसानों को दिया गया दो दिवसीय प्रशिक्षण

कानपुर, 11 अगस्त। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा ग्राम प्रतापपुर ऊदैत में धान की फसल में पोषक तत्वों का पर्णीय छिड़काव पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि धान की फसल में पोषक तत्वों का पर्णीय छिड़का जड़ों के माध्यम से खाद देने का एक असरदार विकल्प है। इससे पौधे जल्दी पोषक तत्व लेते हैं। इससे पैदावार बढ़ती है और दाने चमकते हैं।पर्णीय छिड़काव का महत्व जड़ें काम न करने पर यह विधि बहुत उपयोगी होती है।मिट्टी में खाद डालने से खाद बेकार हो सकती है, लेकिन यहाँ ऐसा नहीं होता।पौधे पत्तों से सीधे भोजन लेते है

एन
माम
वन

कानपुर,
अभी शां
मुख्य वन
कानपुर न
बनाकर त
मांगना चा
संरक्षक से
अधिकारि
हुई है ऐस
की जा स
पकड़ गय
खाद्य एवं
एजेंसी के
जानकारी
यही वजह
मिलने क

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 18 अंक : 45 कानपुर, बुधवार 12 अगस्त 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

पर्णीय छिड़काव पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा ग्राम प्रतापपुर ऊदैत में धान की फसल में पोषक तत्वों का पर्णीय छिड़काव पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि धान की फसल में पोषक तत्वों का पर्णीय छिड़का जड़ों के माध्यम से खाद देने का एक असरदार विकल्प है। इससे पौधे जल्दी पोषक तत्व लेते हैं। इससे पैदावार बढ़ती है और दाने चमकते हैं।पर्णीय छिड़काव का महत्व जड़ें काम न करने पर यह विधि बहुत उपयोगी होती है।मिट्टी में खाद डालने से खाद बेकार हो सकती है, लेकिन यहाँ ऐसा नहीं होता।पौधे पत्तों से सीधे भोजन लेते हैं।यह तरीका सूखे या बाढ़ के समय बहुत काम आता है। डॉ खान ने बताया कि पोषक तत्व सीधे पत्तों से सोखे जाते हैं। तथा कम खाद में ही बहुत अच्छा असर मिलता है।पौधे मजबूत बनते हैं और बीमारियाँ कम लगती हैं।बालियों में दाने स्वस्थ और वजनी बनते हैं।प्रमुख पोषक तत्व 2

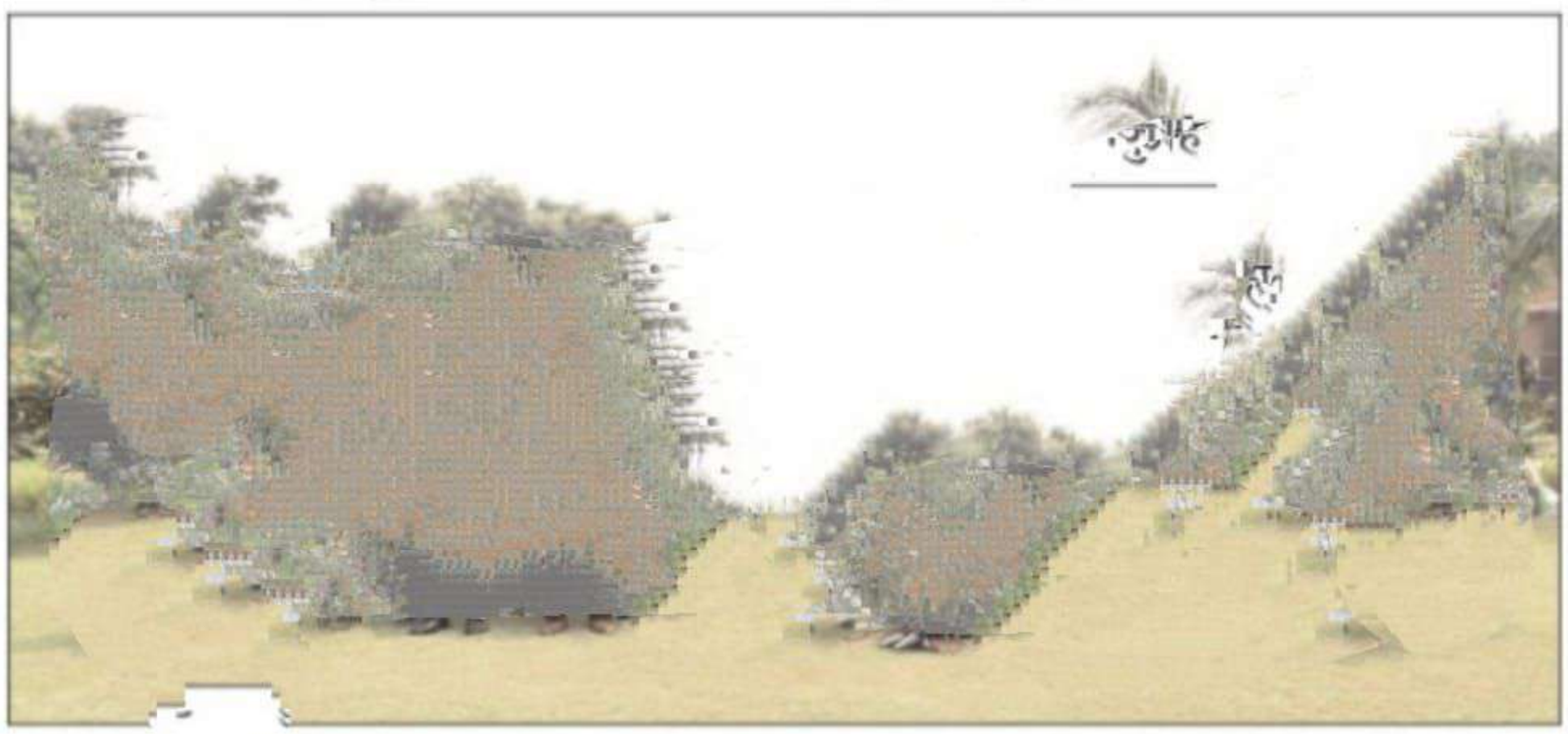

प्रतिशत घोल (20 ग्राम यूरिया प्रति लीटर पानी) कल्ले फूटते समय या बालियां निकलते समय छिड़कें।0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट और साथ में आधा चूना मिलाकर छिड़काव करें।एनपीके (19=19=19)= 1 से 2 किलोग्राम प्रति एकड़ 100 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।बोरॉन= 0.2 प्रतिशत घोल का प्रयोग फूल आने से पहले करने से फूलों का झड़ना रुकता है।हमेशा सुबह या शाम के ठंडे समय में छिड़काव करें।तेज धूप या बारिश के समय छिड़काव न करें।घोल की सही मात्रा ही रखें, ज्यादा मात्रा से पत्तियां जल सकती हैं। धान में कल्ले निकलते समय या दाना भरते समय स्प्रे सबसे अच्छा रहता है। इस अवसर पर प्रसार वैज्ञानिक डॉक्टर राजेश राय ने भी किसानों को संबोधित किया।

अमर भारती

एक उम्मीद

04 प्रदेश, 06 संस्करण

अंक: 229, पृष्ठ: 12, मूल्य: 03 रु. PRGI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com बुधवार, 12 अगस्त 2026 शक सम्वत् 1948, सावन

पर्णीय छिड़काव पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण

कानपुर (अमर भारती)। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा ग्राम प्रतापपुर ऊदैत में धान की फसल में पोषक तत्वों का पर्णीय छिड़काव पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि धान की फसल में पोषक तत्वों का पर्णीय छिड़का जड़ों के माध्यम से खाद देने का एक असरदार विकल्प है। इससे पौधे जल्दी पोषक तत्व लेते हैं। इससे पैदावार बढ़ती है और दाने चमकते हैं।पर्णीय छिड़काव का महत्व जड़ें काम न करने पर यह विधि बहुत उपयोगी होती है।मिट्टी में खाद डालने से खाद बेकार हो सकती है, लेकिन यहाँ ऐसा नहीं होता।पौधे पत्तों से सीधे भोजन लेते हैं।यह तरीका सूखे या बाढ़ के समय बहुत काम आता है। डॉ खान ने बताया कि पोषक तत्व सीधे पत्तों से सोखे जाते हैं। तथा कम खाद में ही बहुत अच्छा असर मिलता है।पौधे मजबूत बनते हैं और बीमारियाँ कम लगती हैं।बालियों में दाने स्वस्थ और वजनी बनते हैं।प्रमुख पोषक तत्व 2 प्रतिशत घोल (20 ग्राम यूरिया प्रति लीटर पानी) कल्ले फूटते समय या बालियां निकलते समय छिड़कें।0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट और साथ में आधा चूना मिलाकर छिड़काव करें।

धान में पर्णीय छिड़काव से बढ़ेगी पैदावार, दाने होंगे चमकदार

जागरण संवाददाता, कानपुर देहात : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, दिलीप नगर की ओर से ग्राम प्रतापपुर ऊदैत में धान की फसल में पोषक तत्वों के पर्णीय छिड़काव विषय पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें किसानों को पर्णीय छिड़काव की उपयोगिता, सही मात्रा और उचित समय की जानकारी दी गई।

किसानों को जानकारी देते विज्ञानी डा. खलील खान ● स्वयं

कृषि विज्ञानी डा. खलील खान ने बताया कि पर्णीय छिड़काव धान की फसल में पोषक तत्व उपलब्ध कराने का प्रभावी तरीका है। इससे पौधे पत्तियों के माध्यम से पोषक तत्वों को तेजी से ग्रहण करते हैं। इससे पैदावार बढ़ने के साथ दाने चमकदार और गुणवत्तापूर्ण बनते हैं। उन्होंने बताया कि जब किसी कारण से जड़ें पोषक तत्वों को पर्याप्त मात्रा में ग्रहण नहीं कर पाती हैं, तब पर्णीय छिड़काव काफी उपयोगी साबित होता है। उन्होंने बताया कि मिट्टी में खाद देने पर कई बार पोषक तत्व पौधों को पूरी तरह उपलब्ध नहीं हो पाते, जबकि पर्णीय छिड़काव में पोषक तत्व सीधे पत्तियों के माध्यम से पौधों तक पहुंचते हैं। सूखे या जलभराव जैसी परिस्थितियों में भी यह विधि उपयोगी है। कम मात्रा में पोषक तत्वों का प्रयोग कर बेहतर परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। इससे पौधे मजबूत होने के साथ बालियों में स्वस्थ और वजनदार दाने विकसित होते हैं। डा. खलील खान ने बताया कि कल्ले फूटने या बालियां निकलने के समय दो प्रतिशत यूरिया घोल का छिड़काव किया जा सकता है। इसके लिए 20 ग्राम यूरिया प्रति लीटर पानी में मिलाने की सलाह दी। इसी तरह 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट के साथ आधा चूना मिलाकर छिड़काव करने को कहा। एनपीके की एक से दो किलोग्राम मात्रा को 100 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ छिड़काव किया जा सकता है। फूल आने से पहले 0.2 प्रतिशत बोरान के घोल का प्रयोग करने से फूलों के झड़ने की समस्या कम करने में मदद मिलती है। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि पर्णीय छिड़काव सुबह या शाम के ठंडे समय में करें। तेज धूप और बारिश के दौरान छिड़काव से बचें। निर्धारित मात्रा से अधिक घोल का प्रयोग न करें, क्योंकि इससे पत्तियां झुलस सकती हैं। धान में कल्ले निकलते और दाना भरते समय पर्णीय छिड़काव अधिक प्रभावी रहता है। प्रसार विज्ञानी डा. राजेश राय ने भी किसानों को धान में पोषक तत्वों के संतुलित प्रयोग और वैज्ञानिक विधियों को अपनाने की जानकारी दी।

संपूर्ण मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं उत्तरप्रदेश में प्रसारित

www.samarthsahara.com

तापमान (डिग्री सेल्सियस) अधिकतम न्यूनतम
भोपाल 45.0 35.0
ग्वालियर 45.5 37.0
इंदौर 46.0 37.0
जबलपुर 47.0 38.0
पेट्रोलियम कीमत पेट्रोल : 115.48 डीजल : 100.48
₹ कीमत डॉलर : 93.06 यूरो : 99.19 सेंसेक्स : 74,616 निफ्टी : 25,814 सोना : 1,50,040 चांदी : 2,50,000

भोपाल
बुधवार
12 अगस्त 2026
वर्ष: 12, अंक: 062
कुल पृष्ठ: 8
मूल्य : 2.00

दैनिक समर्थ सहारा
सच को सच कहने का अदम्य साहस

samarthsaharabhopal@gmail.com

पर्णीय छिड़काव पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा ग्राम प्रतापपुर ऊदैत में धान की फसल में पोषक तत्वों का पर्णीय छिड़काव पर दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि धान की फसल में पोषक तत्वों का पर्णीय छिड़का जड़ों के माध्यम से खाद देने का एक असरदार विकल्प है। इससे पौधे जल्दी पोषक तत्व लेते हैं। इससे पैदावार बढ़ती है और दाने चमकते हैं।पर्णीय छिड़काव का महत्व जड़ें काम न करने पर यह विधि बहुत उपयोगी होती है।मिट्टी में खाद डालने से खाद बेकार हो सकती है, लेकिन यहाँ ऐसा नहीं होता।पौधे पत्तों से सीधे भोजन लेते हैं।यह तरीका सूखे या बाढ़ के समय बहुत काम आता है। डॉ खान ने बताया कि पोषक तत्व सीधे पत्तों से सोखे जाते हैं। तथा कम खाद में ही बहुत अच्छा असर मिलता है।पौधे मजबूत बनते हैं और बीमारियाँ कम लगती हैं।बालियों में दाने स्वस्थ और वजनी बनते हैं।

कर
त्र

उन्होंने शिक्षकों
संबंधी अभिलेख
ाने तथा नियमों
रण प्रकरणों में
विाही नहीं किए
च पदाधिकारियों
यों में पूरी निष्ठा
निर्वहन कर रहे
ी समस्याओं का
से शिक्षक और
रण में कार्य कर
जिला बेसिक
पत्र पर शीघ्र
नुरोध किया।
र्यकारी अध्यक्ष
उपाध्यक्ष धर्मेश
ह, गणेश शंकर
कपिल त्रिवेदी,
सुमेरपुर सोनू
ांगरमऊ योगेंद्र
सदस्य राजेश
ी योगेंद्र शुक्ला

ग्राम
साम

समर्थ सहार

बीघापुर,
पार्टी के राष
यादव के नि
क्षेत्र 166
सिंह परिहार
पंचायतों के
का अभियान
इसी क्रम
के ग्राम राम
पंचायत का
इस अवस
युवाओं एवं
संबोधित क
परिहार ने क
का उद्देश्य
शोषित, पिछ
उनके संवैधा
जागरूक क
चेतना का
सामाजिक
भागीदारी के
करना है।
उन्होंने क
के राष्ट्रीय अ